ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE (ECHO GROUP)

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor: Dorothy S. Thomas

Vol. XXVII | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, JULY 2022 | No.8

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

भजन ३०:१-१०

१ हे यहोवा, मैं तुझे सराहूँगा क्योंकि तू ने मुझे खींचकर निकाला है, और मेरे शत्रुओं को मुझ पर आनन्द करने नहीं दिया।

२ हे मेरे परमेश्वर यहोवा, मैं ने तेरी दोहाई दी और तू ने मुझे चंगा किया है।

३ हे यहोवा, तू ने मेरा प्राण अधोलोक में से निकाला है, तू ने मुझ को जीवित रखा और क़ब्र में पड़ने से बचाया है।

४ हे यहोवा के भक्तो, उसका भजन गाओ, और जिस पवित्र नाम से उसका स्मरण होता है, उसका धन्यवाद करो।

५ क्योंकि उसका क्रोध तो क्षण भर का होता है, परन्तु उसकी प्रसन्नता जीवन भर की होती है। कदाचित् रात को रोना पड़े, परन्तु सबेरे आनन्द पहुँचेगा।

६ मैं ने तो अपने चैन के समय कहा था, कि मैं कभी नहीं टलने का।

७ हे यहोवा, अपनी प्रसन्नता से तू ने मेरे पहाड़ को दृढ़ और स्थिर किया था; जब तू ने अपना मुख फेर लिया तब मैं घबरा गया।

८ हे यहोवा, मैं ने तुझी को पुकारा; और यहोवा से गिड़गिड़ाकर यह विनती की,

९ जब मैं क़ब्र में चला जाऊँगा तब मेरे लहू से क्या लाभ होगा? क्या मिट्टी तेरा धन्यवाद कर सकती है? क्या वह तेरी सच्चाई का प्रचार कर सकती है?

१० हे यहोवा, सुन, मुझ पर अनुग्रह कर; हे यहोवा, तू मेरा सहायक हो।

तुम्हारा फैसला तुम्हारे भविष्य को तय करता है

YOUR DECISION DETERMINES YOUR DESTINY!

मुख्य गिरजाघर में पा. एस सैम सेल्वराज द्वारा दिया गया संदेश

इस संसार में हर कोई चाहता है कि उसके साथ अच्छी चीज़ें हों - अनपेक्षित या अपेक्षित आशीषें! तरक्की! लेकिन प्रत्येक के पास परमेश्वर की ओर से एक अद्वितीय बुलाहट है और वह हम में से हर एक की अलग-अलग तरीके से अगुवाई करता है। हमारी बुलाहट भिन्न हो सकती है, लेकिन जो निर्णय हम सही समय पर लेते हैं, वह हमारे भविष्य को निर्धारित करता है। यह सच्चाई तब प्रगट होती है जब हम कई लोगों के जीवनों का अध्ययन करते हैं। हम भविष्यवक्ता एलिय्याह, एलीशा, एलीशा का सहायक गेहजी के जीवनों का अध्ययन करें। ये सभी लोग समकालीन थे।

I भविष्यद्वक्ता एलिय्याह

एलिय्याह ईपू ६१०-८६६ के बीच जीवित रहा। वह एक तिश्बी था जो गिलाद देश से था। प्रभु ने उसे भविष्यवक्ता होने के लिए ठहराया और बुलाया था। बाइबल उसके जन्म या उसके परिवार के बारे में कोई जानकारी नहीं देती।

एलिय्याह इस शब्द का अर्थ है 'यहोवा मेरा परमेश्वर है'। जब हम एलिय्याह के पूरे जीवन का अवलोकन करते हैं, तब हम देखते हैं कि उसे बुलाने वाला प्रभु ही था और प्रभु ही उसे स्वर्ग भी ले गया। उसने मृत्यु का अनुभव नहीं किया। उसे प्रेत संस्कार नहीं दिया गया। और पृथ्वी पर रहते हुए वह तपस्वी के समान प्राणियों के चमड़े से बने वस्त्र पहना करता था - कमर में बाल और एक कमरबंद।

परमेश्वर ने इस मनुष्य को देखा, जो जंगल में रहता था और पवित्र जीवन बिताता था और परमेश्वर ने उसे अपनी अद्‌भुत योजना पूरी करने के लिए चुना था। परमेश्वर का चुनाव मनुष्य की शैक्षिक गुणवत्ता पर या उसकी आर्थिक या पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित नहीं था। एलिय्याह की एकमात्र गुणवत्ता यह थी कि वह हमेशा परमेश्वर की आवाज़ सुनने के लिए तत्पर था और प्रभु ने जो कहा वही किया करता था। परमेश्वर ने अहाब राजा और अहज्याह राजा के राज्यों के दौरान उसे भविष्यवक्ता बनाया। एलिय्याह के दिनों में और ओम्री के पुत्र अहाब ने उन सबसे अधिक जो उससे पहले थे, वह कर्म किए जो यहोवा की दृष्टि में बुरे थे। उसने तो नबात के पुत्र यारोबाम के पापों में चलना हलकी-सी बात जानकर, सीदोनियों के राजा एतबाल की बेटी ईज़ेबेल से विवाह कर के बाल देवता की उपासना की और उसको दण्डवत् किया। उसने

पृष्ठ 3 में क्रमश...

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

"यहोवा अनुग्रहकारी और दयालु, विलम्ब से क्रोध करनेवाला और अति करुणामय है" (भजन १४५:८)

अत्यंत प्रिय भाई और बहन,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के धन्य नाम में आपको उत्तम अभिवादन।

हमारी विभिन्न सेवकाईयों और सेवकों के प्रति आपके प्रेम और चिंता के लिए हम आपके आभारी हैं। आपके प्रेम के द्वारा हमें बड़ा प्रोत्साहन मिलता है। परमेश्वर आपको आशीष दे।

जैसा कि आप जानते हैं, हम एको ऑफ हिज कॉल मासिकों, हिंदी/उड़िया और तमिल भाषा में नहेमायाह बाइबल कॉलेज, सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, चर्चेस आदि की तरक्की से संबंधित गतिविधियों में अत्यंत व्यस्त है। परमेश्वर हमारी सारी गतिविधियों को और चेन्नई नगर में तथा बाहर हमारी यात्राओं को आशीष प्रदान कर रहा है। हम अगले अंक में **पिट टू पैलेस** में हमारे संदेश को जारी रखेंगे, क्योंकि इस माह हम अत्यंत व्यस्त हैं।

इसके अलावा, हमारे प्रिय भाई और एको ऑफ हिज कॉल मासिक पत्रिका के वरिष्ठ सहायक संपादक भाई मैनुएल एम पौल राज ने २५ मई २०२२ को महिमा में प्रवेश किया। कृपया इस परिवार को अपनी प्रार्थना में स्मरण रखें। उनके बीमार रहने पर आपने उनके लिए प्रार्थना की इसलिए हम आपका धन्यवाद करते हैं।

परमेश्वर के अनुग्रह से हमारे नहेमायाह बाइबल कॉलेज की २३वीं पदवीदान आराधना ३ जून २०२२ को आयोजित की गई थी। २३ विद्यार्थियों को पदवी प्राप्त हुई और उन्हें भारत के अनुपहुंचे स्थानों में पहुंचने हेतु उत्साह के साथ मिशन कार्य के लिए अलग किया गया।

परमेश्वर के अनुग्रह से हमारे नहेमायाह बाइबल कॉलेज (तमिल में संध्याकालीन पाठ्यक्रम और हिंदी/उड़िया में रेसिडेंशियल पाठ्यक्रम) का निर्धारित समयानुसार ६ जून २०२२ को फिर आरंभ हुआ और कक्षाएं शुरू हो गई हैं। उसी तरह हमारा सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल १३ जून २०२२ को फिर शुरू हो गया। कृपया इन संस्थाओं की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

इन दिनों में हम आपसे विनती करते हैं कि हमारे सहकर्मियों के परिवारों के सभी सदस्यों के लिए अधिक से अधिक प्रार्थना करें क्योंकि हमारे परिवार सदस्यों में से कुछ लोगों को शारीरिक तौर पर परमेश्वर के स्पर्श की जरूरत है।

कृपया परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए हमारी विभिन्न सेवकाईयों की सारी जरूरतों के को स्मरण रखें।

परमेश्वर आने वाले दिनों में आपको बहुतायत से आशीष दे।

मसीह यीशु में आपका सेवक,

मसीह यीशु में आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम

(+91) 98412 71858 / 98410 71858, E.mail : samselvaraj333@gmail.com

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITOR
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

E.mail ID
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

पृष्ठ 1 से आगे:...

बाल का एक भवन शोमरोन में बनाकर उसमें बाल की एक वेदी बनाई। (१ राजा १६:३०-३२)। इस्राएल का राजा स्वर्ग और पृथ्वी के परमेश्वर की आराधना करने के बजाय, अन्यजाति देवताओं की उपासना करने लगा।

१. एलिय्याह ने कहा कि बारिश नहीं होगी, और बारिश नहीं हुई :

एलिय्याह परमेश्वर के वचन को लेकर चलता था। और उसने अहाब राजा से कहा, "उसके जीवन की शपथ इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।" जैसा उसने कहा था साढ़े तीन वर्षों तक कोई बारिश नहीं हुई। वह राजा के सामने आने से और प्रभु ने उससे जो कहा था वह बताने से नहीं डरता था।

एलिय्याह पवित्र और धर्मी जन था जिसका विश्वास में परमेश्वर में बहुत बड़ा था। वह निडर था और कभी परिणामों से नहीं डरता था।

२. वह एक आज्ञाकारी भविष्यद्वक्ता था :

"यहां से चलकर पूर्व की ओर जा और करीत नामक नाले में जो यरदन के पूर्व में है छिप जा" (१ राजा १७:३)। जैसा प्रभु ने कहा था वह उस स्थान में गया। जैसे प्रभु ने उससे प्रतिज्ञा की थी, कौवे सुबह और सांझ को उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे। वर्षा न होने के कारण नाला सूख गया। तब परमेश्वर ने उससे कहा, "चलकर सीदोन के सारपत नगर में जाकर वहीं एक विधवा के साथ रह। एलिय्याह ने यह आज्ञा भी मानी। सारपत में उसकी भेंट एक विधवा से हुई, और उसने उसे रोटी और जल दिया। उसके पास बहुत थोड़ा बचा था, फिर भी जो कुछ एलिय्याह ने उससे मांगा वह उसने दिया। इसलिए, उसने बहुतायत की आशीष पाई, जब तक कि उस देश में वर्षा न हुई। बाद में, जब उसके बेटे की मौत हुई तब एलिय्याह ने उसे वापिस जिलाया!

३. वह एक निडर भविष्यद्वक्ता था (१ राजा १८:१८-३६) :

तब परमेश्वर ने एलिय्याह को भेजा कि वह राजा अहाब के सामने प्रगट हो, एलिय्याह ने राजा से कहा कि वह सारे इस्राएलियों को कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा करे और बाल के चार सौ पचास भविष्यद्वक्ता तथा अशेरा के चार सौ भविष्यद्वक्ता भी वहां आए। एलिय्याह ने लोगों से पूछा, **"और एलिय्याह सब लोगों के पास आकर कहने लगा, तुम कब तक दो विचारों में लटके रहोगे, यदि यहोवा परमेश्वर हो, तो उसके पीछे हो लो; और यदि बाल हो, तो उसके पीछे हो लो। लोगों ने उसके उत्तर में एक भी बात न कही...इसलिये दो बछड़े लाकर हमें दिए जाएँ, और वे एक अपने लिये चुनकर उसे टुकड़े टुकड़े काटकर लकड़ी पर रख दें, और कुछ आग न लगाएँ; और मैं दूसरे बछड़े को तैयार करके लकड़ी पर रखूँगा, और कुछ आग न लगाऊँगा। तब तुम अपने देवता से प्रार्थना करना, और मैं यहोवा से प्रार्थना करूँगा; और जो आग गिराकर उत्तर दे वही परमेश्ध्वर ठहरे। तब सब लोग बोल उठे, अच्छी बात। और एलिय्याह ने बाल के नबियों से कहा, पहले तुम एक बछड़ा चुनकर तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना। तब उन्होंने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था लेकर तैयार किया, और भोर से लेकर दोपहर तक वे यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, हे बाल, हमारी सुन, हे बाल, हमारी सुन! परन्तु न कोई शब्द और न कोई उत्तर देनेवाला हुआ।"** तब उन्होंने हार मान ली।

एलिय्याह ने पत्थरों से यहोवा के नाम की एक वेदी बनाई; उसके चारों ओर एक गड्ढा खोदा। उसने वेदी पर लकड़ी को सजाया, बछड़े के टुकड़े-टुकड़े काटकर लकड़ी पर रख दिया और कहा, "चार घड़े पानी भर के होमबलि-पशु और लकड़ी पर उण्डेल दो। तब उसने कहा, दूसरी बार वैसा ही करो; तब लोगों ने दूसरी बार वैसा ही किया। फिर उसने कहा, "तीसरी बार करो;" तब लोगों ने तीसरी बार भी वैसा ही किया। और जल वेदी के चारों ओर बह गया, और गड़हे को भी उसने जल से भर दिया।

फिर भेंट चढ़ाने के समय एलिय्याह नबी समीप जाकर कहने लगा, "हे अब्राहम, इसहाक और इस्राएल के परमेश्वर यहोवा! आज यह प्रगट कर कि इस्राएल में तू ही परमेश्वर है, और मैं तेरा दास हूँ, और मैं ने ये सब काम तुझ से वचन पाकर किए हैं" (१ राजा १८:३६)।

तब यहोवा की आग आकाश से प्रगट हुई और होमबलि को लकड़ी और पत्थरों और धूलि समेत भस्म कर दिया, और गड़हे में का जल भी सुखा दिया। यह देख सब लोग मुँह के बल गिरकर बोल उठे, "यहोवा ही परमेश्वर है, यहोवा ही परमेश्वर है।" एलिय्याह ने स्वर्ग से अग्नि लाकर डरपोक इस्त्राएलियों के सामने यह साबित कर दिया कि "यहोवा ही परमेश्वर है।"

हमारे दिनों में परमेश्वर के ऐसे सेवक और भविष्यद्वक्ता शायद ही दिखाई देते हैं। इन दिनों में जब आश्चर्यकर्म होते हैं, या भविष्यद्वाणी के वचन पूरे होते हैं, तो क्या हम परमेश्वर के कुछ सेवकों को नहीं देखते जो यह कहते हुए परिवारों को भेंट देते हैं कि यह उनकी प्रार्थना के कारण हुआ? क्या यह सच नहीं कि परमेश्वर के इस सेवक के कैमरा ढोने वाले ऐसे घरों में अपने सारे मिडिया उपकरणों के साथ भेंट देते हैं और उन परिवार सदस्यों को घेर लेते हैं और उसे व्यापार बना लेते हैं? ऐसे कारोबारी भविष्यद्वक्ताओं की जो सहायता करते हैं, वे भी तरक्की पाते हैं। आश्चर्यकर्म करने वाला परमेश्वर है। "तुम्हें सेंतमेंत मिला है, सेंतमेंत दो" (मत्ती १०:८)।

II भविष्यद्वक्ता एलीशा

जैसा प्रभु ने कहा था एलिय्याह भविष्यद्वक्ता ने एलीशा की भेंट तब ली जब वह बारह जोड़ी बैलों के साथ खेत जोत रहा था और उसने जाकर अपनी चादर उस पर डाल दी। एलीशा उसके पीछे चला और उसकी सेवाटहल करने लगा (१ राजा १९:१९)। यहोवा ने एलिय्याह को जीवित उठा लिया, उसके बाद

राजा यारोम, येहू और योहाज़ के राज्यों के दौरान एलीशा बड़े आश्चर्यकर्म करने वाला भविष्यद्वक्ता बना।

एलीशा ने एलिय्याह की अधीनता में जो प्रशिक्षण प्राप्त किया वह अत्यंत कठोर था। जो कोई स्वेच्छा से अपने आपको परिश्रम तथा कठोर प्रशिक्षण के लिए दे देता है, केवल वही परमेश्वर का अच्छा सेवक बनता है। जो लोग कठोर परिश्रम, उचित प्रशिक्षण और सही कार्य करने से इन्कार करते हैं वे बड़ी बातें हासिल नहीं कर सकते। जो लोग सोचते हैं कि वे रविवार की आराधना में जाकर परमेश्वर के लिए बड़ा त्याग कर रहे हैं, वे परमेश्वर के महान सेवक नहीं बन सकते।

१. एलीशा, उस व्यक्ति के साथ एक हो गया जिसने उसे उस सेवकाई में बुलाया था :

जब एलिय्याह और एलीशा गिलगाल में सेवकाई कर रहे थे, तब अचानक एलिय्याह ने एलीशा से कहा, "यहोवा मुझे बेतेल तक भेजता है इसलिए तू यहीं ठहरा रह।" लेकिन एलीशा दृढ़ था और वह अपने अगुवे को छोड़कर नहीं जाना चाहता था। इसलिए उसने उत्तर दिया, "यहोवा के और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे नहीं छोडूंगा।" इस प्रकार एलिय्याह जहां कहीं गया वह उसके पीछे चलता रहा।

इसलिए वे दोनों बेतेल को गए और बेतेल से, वे यरीहो को गए। फिर यरीहो से, वे यरदन को गए। इन सभी स्थानों में, एलिय्याह ने अपने सेवक को अकेले छोड़ने की कोशिश की। लेकिन एलीशा पलभर के लिए भी अपने अगुवे एलिय्याह को छोड़ने के लिए तैयार नहीं था, लेकिन जहां कहीं उसका अगुवा गया, वहां वह उसके पीछे चलता रहा।

यरदन के पास भी, एलिय्याह ने एलीशा को यह कहकर छोड़ना चाहा कि वह यरदन नदी पार करना चाहता है। एलीशा ने आग्रह किया कि उसे भी उसके साथ यरदन नदी पार करनी चाहिए। अपने अगुवे का अनुसरण करते हुए दृढ़ खड़े रहकर, एलीशा ने एलिय्याह के साथ यरदन पार कर ली। नदी पार करने से पहले, भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने अपनी चादर लपेटी और पानी पर दे मारी। नदी दो हिस्सों में बंट गई और उनके लिए एक राह बन गई। दोनों ने नदी पार की।

अब एलिय्याह ने एलीशा से कहा कि वह जल्द ही पृथ्वी को छोड़कर जाएगा।

"उनके पार पहुँचने पर एलिय्याह ने एलीशा से कहा, इस से पहले कि मैं तेरे पास से उठा लिया जाऊँ, जो कुछ तू चाहे कि मैं तेरे लिये करूँ वह माँग। एलीशा ने कहा, तुझ में जो आत्मा है, उसका दूना भाग मुझे मिल जाए। एलिय्याह ने कहा, तू ने कठिन बात माँगी है, तौभी यदि तू मुझे उठा लिये जाने के बाद देखने पाए तो तेरे लिये ऐसा ही होगा; नहीं तो न होगा। वे चलते चलते बातें कर रहे थे, कि अचानक एक अग्निमय रथ और अग्निमय घोड़ों ने उनको अलग अलग किया, और एलिय्याह बवंडर में होकर स्वर्ग पर चढ़ गया। और उसे एलीशा देखता और पुकारता रहा, हाय मेरे पिता! हाय मेरे पिता! हाय इस्राएल के रथ और सवारो!"

जब वह उसको फिर देख न पड़ा, तब उसने अपने वस्त्र पकड़े और फाड़कर दो भाग कर दिए। फिर उसने एलिय्याह की चद्दर उठाई जो उस पर से गिरी थी, और वह लौट गया, और यरदन के तट पर खड़ा हुआ" (२ राजा २:१२-१३)।

२. एलीशा कभी निराश नहीं हुआ:

हालांकि एलीशा जानता था कि उसके अगुवे के शब्दों से और कामों से उसकी कई बार परीक्षा हुई, फिर भी वह कभी निराश नहीं हुआ।

परमेश्वर दुख उठाने वालों की सहायता करने में सक्षम है। वे कभी लज्जित नहीं होंगे। आप सोच सकते हैं कि आपके जीवन में ऐसी कोई बात है जो कभी न होती। ऐसा लगता है कि आपकी प्रार्थनाओं का उत्तर नहीं मिल रहा है; दिन और पैसा व्यर्थ बर्बाद हो रहे हैं। भले ही आपने प्रभु की सेवा की हो, सबकुछ ऐसा लगता है कि असफलता की ओर जा रहा है। शायद आप यह सवाल भी कर सकते हैं, "क्या सचमुच कोई परमेश्वर है?"

क्या आप अभी निराश हैं? हिम्मत न हारें; हियाव रखें। परमेश्वर अवश्य ही आपके जीवन में अनपेक्षित आश्चर्यकर्म

पृष्ठ 6 में क्रमशः..

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
रेसिडेन्शल कॉलेज, चेन्नई।

माध्यमः हिन्दी

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल

डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल

योग्यता 10 वी या अधिक

जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✽ भार उठना (गलातियों ६:२), ✽ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✽ चमकना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१९ जुलाई २०२२ से १८ अगस्त २०२२ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

१९ अगस्त : परमेश्वर ने बड़े अनुग्रह के साथ सुसमाचार लेकर अनपहुंचे हुए क्षेत्रों में प्रवेश करने हेतु हमारी सहायता की।

२० अगस्त : आइए हम अपने प्रायोजकों की प्रार्थना और सहायता के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

२१ अगस्त : हमारे सेंट पौल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेमायाह बाइबल कह्लॉलेज और ईश्वर विज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

२२ अगस्त : पा. एस. सैम सेल्वराज और उनके परिवार पर परमेश्वर की भरपूर आशीषों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अगस्त २३ : आइए हम अपने सभी सहायक संपादकों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

२४ अगस्त : परमेश्वर ने हमारे मुख्य और शाखा गिरजाघरों को नए विश्वासियों के साथ आशीषित किया।

२५ अगस्त : आइए हम अपने प्रार्थना प्रतिभागी, शुल्क प्रतिभागी, विश्वास प्रतिभागी, जीवन प्रतिभागी और महान आदेश प्रतिभागी और उनके परिवार के सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

२६ अगस्त : आइए हम अपने सभी सहायक संपादकों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

२७ अगस्त : हमारे राष्ट्र की रक्षा करने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

२८ अगस्त : परमेश्वर ने ३ अगस्त २०२२ को संपन्न नहेमायाह बाइबल कॉलेज के पदवीदान समारोह को आशिषित किया इसलिए उसकी स्तुति करें।

२९ अगस्त : हमारी कलीसिया में नए विश्वासियों को अभिषेक देकर आशीषित करने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

३० अगस्त : परमेश्वर ने हमारे रेसिडेंशियल और सांध्यकालीन नहेमायाह बाइबल कह्लेज के लिए नए विद्यार्थी पाने में हमारी सहायता की।

अगस्त ०१ :परमेश्वर की स्तुति करें कि उसने हमारी रेसिडेंशियल बाइबल कह्लेज के लिए जरूरी वाटर कूलर, रेफ्रिजरेटर, पलंग, चटाई या बर्तन आदि चीजें खरीदने में हमारी सहायता की।

अगस्त ०१ : राज्य समन्वयकों और उनकी सहभागिता के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अगस्त ०२ : मिशन कार्यकर्ताओं के बड़े समर्पण के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अगस्त ०३ : परमेश्वर हमारे वरिष्ठ पासवान एस सैम सेल्वा राज और उनके परिवार को सभी बुरे प्रभुत्व से बचा रहा है।

प्रार्थना विषय

०४ अगस्त : हमारे अंग्रेजी सहायक संपादक, भाई मैनुअल पौलराज ने २५ मई २०२२ बुधवार शाम ६:०० बजे महिमा में प्रवेश किया। कृपया मित्रों, परिवार और रिश्तेदारों के लिए प्रार्थना करें।

०५ अगस्त : परमेश्वर से प्रार्थना करें कि हम अनपहुंचे हुए स्थानों में सुसमाचार का प्रचार कर सकें।

०६ अगस्त : सभी धर्मों के मध्य एकता के लिए प्रार्थना करें।

०७ अगस्त : आग्रह के साथ प्रार्थना करें कि सभी राष्ट्र परमेश्वर की ओर खराई प्राप्त करें।

०८ अगस्त : परमेश्वर से प्रार्थना करें कि पृथ्वी पर उसके राज्य के निर्माण के लिए वह हमें और दर्शन प्रदान करें।

०९ अगस्त : सभी पहलुओं और नियोजनों में हमारे देश की एकता और उन्नति के लिए प्रार्थना करें।

१० अगस्त : आज हमने सेवकाई के ५४ वें वर्ष में प्रवेश किया। कृपया प्रार्थना करें।

११. अगस्त : कृपया रशिया और यूक्रेन के बीच के युद्ध के लिए प्रार्थना करें और प्रार्थना करें कि समस्त संसार में आवश्यक शांति प्रस्थापित हो।

१२. अगस्त : समस्त संसार की शांति के लिए प्रार्थना करें।

१३. अगस्त : परमेश्वर हमारे वरिष्ठ पासवान द्वारा उनकी आत्मकथा के लेखन में सफलता प्रदान करे।

१४. अगस्त : महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा का निर्मूलन हो इसलिए प्रार्थना करें।

१५. अगस्त : परमेश्वर हमारे समन्वयकों और पासवानों को नया बल प्रदान करे।

१६. अगस्त : हम सभी मिशन संस्थाओं के लिए प्रार्थना करें।

१७ अगस्त : हमारे मिशन क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए प्रार्थना करें।

१८ अगस्त : हमारे वरिष्ठ पासवान एस सैम सेल्वराज की सभी योजनाओं पर परमेश्वर की आशीष हो।

पृष्ठ 4 से आगे...

करेगा! अपने आपको एलीशा के समान बदल दें। यदि ऐसा हुआ, तो समय अवश्य बदलेगा। परिस्थितियां बदलेगी। हमारा प्रभु कभी नहीं बदलता।

भले ही एलिय्याह को यहोवा ने उठा लिया था, और एलीशा पुकार उठा, "हाय मेरे पिता, हाय मेरे पिता," फिर भी उसने अपने विश्वास को नहीं खोया। उसने अपनी आशा नहीं त्यागी। उसने अपने अभिषेक को जो उसके सिर पर था और अपनी बुलाहट को अनदेखा नहीं किया। उसने केवल स्वर्ग की ओर देखा और पुकारा।

प्रिय पाठक, एलीशा ने वह चादर उठाई जो एलिय्याह के पास से गिरी थी और पानी पर दे मारी, नदी के दो हिस्से हो गए। एलीशा ने नदी पार कर ली। अपनी योग्यताओं के बारे में और अपनी हीन दशा के बारे में विचार न करें।

३. परमेश्वर प्रत्येक छोटी बात का उत्तर देता है :

जब हम परमेश्वर से हमारी जरूरतों के लिए प्रार्थना करते हैं, तब परमेश्वर के लिए यह आवश्यक नहीं होता कि हमारी प्रार्थना का उत्तर उसी तरह दें जैसा हम चाहते हैं। उदाहरण के तौर पर, शायद आप उपवास कर रहे हैं और प्रार्थना कर रहे हैं कि आपका बैंक कर्ज़ मंजूर हो। हो सकता है कि परमेश्वर कर्ज़ लेने में आपकी सहायता न करे। परंतु वह किसी अन्य तरीके से आपकी आर्थिक ज़रूरत को अद्भुत रीति से पूरा करेगा।

मेरा एक अच्छा दोस्त है डॉक्टर रबिन्दर बोअज़ जो कि चेन्नई में सर्जन है। वह एक धर्मी जन है जिसे पैसों का कोई मोह नहीं है। वह परमेश्वर का सेवक भी है। एक बार डॉक्टर ने मेरे मित्रों में से एक को बवासीर बताया और कहा कि उसे ऑपरेशन करना होगा। यह दोस्त मेरे पास प्रार्थना के लिए आया। मैंने उसके लिए प्रार्थना की, वह बहुत ही निर्धन था और फिर मैं उसे अपने दोस्त रबिन्दर बोअज़ के पास ले गया।

रोगी की जांच करने से पहले डॉक्टर ने एक छोटी से प्रार्थना की। फिर उसने रोगी से कहा, "ऑपरेशन की कोई जरूरत नहीं है, बहुत पानी पिओ, बहुत हरी सब्जी और केला खाओ। एक सप्ताह के बाद मेरे पास आओ, मेरा विश्वास है कि तुम चंगे हो जाओगे।" जब हम लौट रहे थे, तब रोगी के चेहरे पर निराशा झलक रही थी। जब मैंने उससे पूछा, "तुम क्यों चिंतित हो?" तब उसने उत्तर दिया, "मैं चिंतित हूं क्योंकि मेरा ऑपरेशन नहीं किया गया।" उसे अपेक्षा थी कि कम पैसों में उसका ऑपरेशन किया जाएगा! परंतु उसने डॉक्टर की सलाह मान ली।

लेकिन ऐसा हुआ कि वह बिना ऑपरेशन के पूरी तरह ठीक हो गया! उसकी समस्या यह थी कि वह ऑपरेशन के लिए तैयार था और अब ऑपरेशन नहीं हुआ था!

कभी-कभी हम प्रार्थना करते हैं और उसी उत्तर की अपेक्षा करते हैं जिसके बारे में हमारा मन कहता है - परंतु परमेश्वर अपनी बुद्धि और सामर्थ से कार्य करता है। लेकिन हमें उस आश्चर्यकर्म को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना चाहिए!

एलीशा ने भी यह सोचा होता कि एलिय्याह की सामर्थ के दुगुने हिस्से के बजाए, उसे केवल शाल मिली। लेकिन एलीशा, क्योंकि आत्मिक जन था, उस शाल या चादर को पूरे दिल से स्वीकार करने के लिए तैयार था!

परमेश्वर के बच्चे, आपकी प्रार्थनाओं के प्रति परमेश्वर उत्तर के लिए आपका क्या रवैय्या है?

III गेहजी

सीरियन सेना का एक बड़ा सेनापति था जिसके शरीर में कोढ़ था। उसका नाम नामान था (२ राजा ५:१)। एक जवान इस्राएली लड़की उसके घर में काम करती थी और उसने अपनी स्वामिनी से कहा कि यदि एलीशा को नामान के पास ले जाया जाए, तो वह ठीक हो जाएगा। इसलिए नामान एलीशा के पास आया। जब वह एलीशा के द्वार पर आकर खड़ा हुआ, तब एलीशा ने उसे कहा कि वह जाकर यरदन नदी में सात बार डुबकी लगाए। यह सुनकर नामान नाराज़ हो गया और उसने कहा, "मैं ने तो सोचा था कि अवश्य वह मेरे पास बाहर आएगा, और खड़ा होकर अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना करके कोढ़ के स्थान पर अपना हाथ फेरकर कोढ़ को दूर करेगा! क्या मेरे देश की नदियां यरदन से उत्तम नहीं हैं?" लेकिन उसके सेवक ने उसे शांत किया और कहा, "हे हमारे पिता, यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई भारी काम

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
EVENING COLLEGE
Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.
माध्यमः तमिल
सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA
सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान
सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल
डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल
योग्यता 10 वी या अधिक
जल्दी करें!
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, BELLS ROAD, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? फिर जब वह कहता है कि स्नान करके शुद्ध हो जा, तो कितना अधिक इसे मानना चाहिए?"

यह सुनकर नामान ने जाकर यरदन नदी में सात बार डुबकी लगाई। परमेश्वर के जन के वचन के अनुसार, उसका शरीर छोटे बच्चे के शरीर के जैसा हो गया, और वह शुद्ध हो गया। वह परमेश्वर के जन के पास लौट आया और अपने सारे सेवकों के साथ आकर उसके सामने खड़ा हो गया और उससे कहा, "अब मैं ने जान लिया है कि समस्त पृथ्वी में इस्राएल को छोड़ और कहीं परमेश्वर नहीं है! इसलिये अब अपने दास की भेंट ग्रहण कर।" परंतु एलीशा ने कहा, **"यहोवा जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहता हूँ उसके जीवन की शपथ मैं कुछ भेंट न लूँगा;" और जब उसने उसको बहुत विवश किया कि भेंट को ग्रहण करे, तब भी वह इन्कार ही करता रहा** (२ राजा ५:११-१६)।

एलीशा का सेवक गेहजी यह सब देख रहा था और उसने अपने आप से कहा, "मेरे स्वामी ने तो नामान से कुछ नहीं लिया। मैं उसके पीछे दौड़कर जाकर उससे कुछ न कुछ ले लूंगा।" तब गेहजी नामान के पीछे दौड़ा। नामान किसी को अपने पीछे दौड़ता हुआ देखकर, उससे पूछा, "सब कुशल क्षेम तो है?" उसने कहा, "सब कुशल है; परन्तु मेरे स्वामी ने मुझे यह कहने को भेजा है, कि 'एप्रैम के पहाड़ी देश से भविष्यद्वक्ताओं के चेलों में से दो जवान मेरे यहां अभी आए हैं, इसलिये उनके लिये एक किक्कार चाँदी और दो जोड़े वस्त्र दे।" नामान ने कहा, "खुशी से दो किक्कार ले ले।" तब उसने उससे बहुत विनती करके दो किक्कार चाँदी अलग थैलियों में बाँधकर, दो जोड़े वस्त्र समेत अपने दो सेवकों पर लाद दिया, और वे उन्हें उसके आगे आगे ले चले। जब वह टीले के पास पहुँचा, तब उसने उन वस्तुओं को उनसे लेकर घर में रख दिया, और उन मनुष्यों को विदा किया, और वे चले गए।

वह भीतर जाकर, अपने स्वामी के सामने खड़ा हुआ। एलीशा ने उससे पूछा, "हे गेहजी, तू कहाँ से आता है?" उसने कहा, "तेरा दास तो कहीं नहीं गया।" उसके सेवक ने जो कुछ किया था, एलीशा ने अपनी ईश्वरीय बुद्धि से जाना। उसे बहुत दुख हुआ। उसने उससे कहा, **"जब वह पुरुष इधर मुंह फेरकर तुझ से मिलने को अपने रथ पर से उतरा, तब से वह पूरा हाल मुझे मालूम था; क्या यह समय चांदी या वस्त्र या जैतून या दाख की बारियां, भेड़-बकरियां, गाय-बैल और दास-दासी लेने का है? इस कारण से नामान का कोढ़ तुझे और तेरे वंश को सदा लगा रहेगा।" तब वह हिमसा श्वेत कोढ़ी होकर उसके सामने से चला गया।** (२ राजा ५:२०-२७)। परमेश्वर के सेवक गेहजी ने परमेश्वर के सेवकों की सूची से अपना नाम हटा लिया। उसका वंश भी शापित हो गया।

आपका आदर्श कौन है? यदि आप मुझसे पूछेंगे तो मैं कहूंगा कि मैं एलीशा के समान बनना चाहता हूं। मैं बहुत इच्छा रखूंगा कि एलीशा के समान अभिषेक मुझ पर उतर आए ताकि मैं दुगनी आशीष पाऊं और इस संसार में विजयी जीवन जी पाऊं।

कृपया कुछ पल विचार करें। क्या आपको एलीशा के समान बुलाया गया है? हालांकि आपको एलीशा के समान बुलाया गया है, फिर भी क्या आप अपने शरीर और आत्मा में प्रतिदिन की समस्याओं के साथ जूझ रहे हैं? क्या आप गेहजी के समान जीवन बिता रहे हैं और अच्छे काम या सेवकाई के नाम

....Contd. to page 9

ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर-मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी-57 पृष्ठ, हिन्दी-76 पृष्ठ, और तमिल-96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको *आपके लिए नया जीवन* शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है- अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/- लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

TAX EXEMPTION

Donations by any individual or organization from India to **Echo of His Call Educational Trust** are eligible for Income Tax exemption under Section 80G of the Income Tax Act. Official receipts will be issued for this purpose. Please make your Demand Drafts / Cheques / M.O. for such donations in favour of **Echo of His Call Educational Trust** and send to us.

Account Name	:	**ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST**
Account Number	:	**1023 2923 805**
Bank Name	:	**STATE BANK OF INDIA**
Branch	:	**TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005**
IFSC Code	:	**SBIN 0000249**
SWIFT Code	:	**SBI NIN BB 455**

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

एक पेंसिल मैट की पुरानी कहानी

"लड़के को उसी मार्ग की शिक्षा दे जिसमें उसको चलना चाहिए, और वह बुढ़ापे में भी उससे न हटेगा" (नीतिवचन २२:६)।

देहात के सरकारी स्कूल में मेरी पांचवी कक्षा की पढ़ाई पूरी करने के बाद, मैं पास हो गया और मुझे हाईस्कूल में दाखिला मिला, जहां पर मुझे पहली बार अंग्रेजी के वर्णाक्षर सिखाए गए। स्कूल के पहले दिन, वर्ग अध्यापिका ने सभी विद्यार्थियों से कहा कि वे दूसरे दिन पेंसिल और नोटबुक लेकर आएं। जैसे ही मैं घर आया मैंने अपनी मां को मेरी ज़रूरत के बारे में बताया क्योंकि मेरे पिता दूसरे शहर गए हुए थे। वह नोटबुक तो लिया है लेकिन वह मेरे लिए पेंसिल नहीं खरीद पाई। वह हमारे पड़ोसी रिश्तेदारों से इस जरूरत को पूरा करवाना नहीं चाहती थी इसलिए उसने मुझे इस बारे में समझाया और मुझसे कहा कि मैं मेरे इस्तेमाल के लिए पेंसिल के लिए प्रभु यीशु मसीह से प्रार्थना करूं।

उसकी बातों को मानकर रात में मैंने घुटने टेके और परमेश्वर से प्रार्थना की कि वह मुझे एक पेंसिल दे और मैं सो गया। अगले दिन सुबह तक परमेश्वर ने मुझे कोई पेंसिल नहीं दी। इसलिए मुझे बिना पेंसिल के ही स्कूल में जाना पड़ा। जब बाकी सारे बच्चों ने उनके इस्तेमाल के लिए पेंसिल लाई थी उस समय मैं ही अकेला ऐसा छात्र था जो अपने शिक्षक के आदेशों का पालन नहीं कर पाया था। इसलिए अध्यापिका मुझसे खुश नहीं थी। उसने मुझसे कहा कि अगले दिन मैं बिना पेंसिल के स्कूल में ना आऊं।

मैंने घर आकर अपनी मां को अपनी अध्यापिका की नाराज़गी के बारे में बताया। वह मेरी ओर देखकर केवल मुस्कुराइए और उसने कहा कि प्रभु यीशु मसीह से दूसरे दिन भी प्रार्थना करता रहूं और उसने मुझे यह आश्वासन दिया कि पेंसिल आ रही है। मैंने वैसा ही किया और पाया कि कुछ भी नहीं हुआ। इसलिए मुझे खाली हाथ फिर से स्कूल जाना पड़ा। जब अध्यापिका ने पूछा तो मैंने उसे बताया कि मैंने प्रभु यीशु मसीह से मेरी मां की आज्ञा के अनुसार प्रार्थना की और पेंसिल आ रही है। अध्यापिका चढ़ गई और मुझ पर नाराज़ हो गई और मेरे मां के रवैए से भी वह नाखुश थी। उसने मुझसे कहा कि मैं बिना पेंसिल के अगले दिन स्कूल न आऊं।

बड़े दुख के साथ मैंने यह खबर अपनी मां तक पहुंचाई। उसने मुझसे कहा कि मैं प्रभु यीशु मसीह को मेरी पेंसिल प्रार्थना सुनने के लिए धन्यवाद दूं। मैं बीच रात तक प्रभु को धन्यवाद देता रहा। लेकिन मुश्किल समय के बारे में सोचता हुआ और यदि मैं बिना पेंसिल के स्कूल जाता हूं तो उस सजा के बारे में जो मुझे अगले दिन मिलने वाली थी सोच कर मैं सो नहीं पा रहा था।

मैं अचंभित रह गया, बीच रात को अचानक हमने किसी को दरवाजे पर खटखटाते हुए सुना। मेरी मां ने कहां कि शायद चोर दरवाजा खटखटा रहे थे, यह जानकर कि घर में कोई पुरुष सदस्य नहीं है और उसने मुझसे कहा कि मैं खामोश रहूं और चुपचाप ओढ़ कर सो जाऊं।

फिर हमने एक आवाज सुनी जो मेरी मां का नाम लेकर खिड़की से पुकार रही थी। यह मेरे अंकल से सेल्वामणि थे जो एक पुलिस अधिकारी थे और पालयमकोट्टई नामक स्थान में काम करते थे जो मेरे घर से ७० किलोमीटर की दूरी पर था। हमने खुशी के साथ दरवाजा खोला। वह मेरे लिए बहुत सारे उपहार ले आए थे जैसे बिस्किट, मिठाई, कपड़े आदि जैसे वह हमेशा किया करते थे। जब मैंने एक खास गिफ्ट बैग खोली तो मैंने उसमें एक बॉक्स पाया। मैंने उसे उत्सुकता के साथ खोला और मैंने पाया कि यह बॉक्स बहुत महंगी पेंसिलों से भरा था (नटराज पेंसिल जो कि उन दिनों बहुत महंगी पेंसिल हुआ करती थी)। उस बॉक्स में २४ पेंसिलें थीं।

मैं उस रात यह कहता हुआ कूद रहा था कि प्रभु यीशु परमेश्वर यीशु मसीह ने न केवल हमारी प्रार्थना को सुना बल्कि हमारी प्रार्थनाओं का जवाब भी दिया। बहुत खुशी की वजह से मैं उस रात सो नहीं पाया।

अगले दिन सुबह में २४ महंगी पेंसिलों का बॉक्स लेकर खुशी के साथ स्कूल गया जबकि दूसरे विद्यार्थियों के पास केवल एक ही पेंसिल थी। अध्यापिका कठोर चेहरा लेकर मेरे पास आई और उसने पूछा कि क्या हुआ। मैंने जवाब दिया कि जो पेंसिल रास्ते में थी कल तक वह मेरे हाथों में आज बड़े अद्भुत रीति से पहुंच चुकी है। उसने बहुत खुशी से मेरी पीठ थपथपाई और विद्यार्थियों के सामने घोषित किया कि एक जीवित परमेश्वर है। जिसका नाम यीशु मसीह है।

प्रिय पाठक यह तब हुआ जब मैं ७ वर्ष का था लेकिन यह अनुभव आज भी मेरे मन में ताजा है। वही परमेश्वर जिसने मुझे पेंसिलें दी थीं, आज भी जीवित है। वह कल आज और युगानुयुग एक सा है (इब्रानियों १३:८)। इसलिए आज भी मैंने अपने कमरे में एक छोटी सी चटाई रखी है जिसे पेंसिल मैट कहता हूं। मैं हर सुबह उस पेंसिल मैट पर जाता हूं और मेरे व्यस्त समय के बावजूद दिन में कम से कम तीन बार वहां जाकर प्रार्थना करने की कोशिश करता हूं और परमेश्वर यीशु मसीह को मेरी जरूरतों के बारे में बताता हूं। आज तक मैंने उसकी ओर से सुई से लेकर कई मिनी बसेज, बड़ी बिल्डिंगें आदि इस पेंसिल मैट के द्वारा पाई है। इसलिए मैंने यह निष्कर्ष निकाला है कि जो हाथ पवित्र बाइबल उठा कर चलते हैं और जो पैर प्रार्थना में घुटने टेकते हैं वे कभी असफल नहीं होंगे।

इसलिए मेरी ५३ वर्षों की सेवा के दौरान मैंने कोई भी पैसा इकट्ठा करने वाला प्रोजेक्ट नहीं चलाया है और ना ही किसी व्यक्ति के

दरवाजे पर जाकर पैसा इकट्ठा किया है या हमारी विभिन्न प्रकार की सरकारों की जरूरतों के लिए सामग्री प्राप्त की है। मैं मेरे परमेश्वर से पैसा पाता हूं जिसने मुझे मेरी पेंसिल मैट से मेरी सारी जरूरतों के लिए उत्तर दिया।

"जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ" फिलिप्पियों ४:१३

****

पृष्ठ 7 से आगे...

में पैसा इकट्ठा कर रहे हैं?

आज के परमेश्वर के कुछ सेवकों की थैली में बाइबल या सुसमाचार के पर्चे नहीं होंगे। बल्कि वे इस बात के प्रति सुनिश्चित रहते हैं कि उनके पास किसी टुच्चे प्रोजेक्ट के लिए बजट और उससे संबंधित कागज़ात होंगे। कुछ लोग तो इन बातों को याद भी कर लेते हैं। आज के कई परमेश्वर के सेवक जो कुछ भी देखते हैं वहां पर पैसा इकट्ठा करने की योजनाएं बनाने में माहिर होते हैं। उनके पास पैसा इकट्ठा करने के कुछ पवित्र कारण होते हैं।

जब परमेश्वर के सेवकों को पैसों की ज़रूरत होती है, तो कुछ लोग घोषणा करना शुरू करते हैं, मुझे तुम्हारा पैसा दो और मैं आंसुओं के साथ तुम्हारे लिए प्रार्थना करूंगा। तब तुम सचमुच भाग्यशाली बनोगे। कुछ लोग कहते हैं, "परमेश्वर को ७५० ऐसे लोगों की ज़रूरत है जो हमारी सेवकाई के लिए १०००रु. दे सकें। कुछ लोग कहते हैं, "परमेश्वर ने मुझे दर्शन दिया और कहा कि जिन लोगों ने उनके सेवावकाश के समय बहुत सारा पैसा पाया वह हमारी सेवकाई के लिए दें। हम उन्हें ५ साल के बाद पूरी रकम लौटा देंगे।

यीशु ने अपने चेलों को यह नहीं सिखाया कि वह लोगों को धोखा दे। बल्कि उसने उनसे कहा, **"तू झील के किनारे जाकर बंसी डाल, और जो मछली पहले निकले, उसे ले; उसका मुँह खोलने पर तुझे एक सिक्का मिलेगा, उसी को लेकर मेरे और अपने बदले उन्हें दे देना"** (मत्ती १७:२७)। परमेश्वर के कुछ बच्चे गलत तरीके से पैसे लिया करते थे और उन्होंने उस का आनंद उठाया है। कुछ तो उन पैसों का कुछ भाग प्रभु के कार्य के लिए देना चाहते हैं। परंतु परमेश्वर इस तरह से गलत तरीके से कमाए हुए धन को नहीं चाहता। परमेश्वर के प्रिय सेवकों, अपनी सारी गतिविधियों में सावधान रहो।

जब हम अपनी सेवकाई ईमानदारी से करते हैं तो हमें अपने खर्च को पूरा करने के लिए यहां-वहां भटकने की ज़रूरत नहीं पड़ती। हमें पैसा ढूंढने के लिए तरीके खोजने की ज़रूरत नहीं पड़ती। हमें नई योजनाओं को परिचय कराने और उन्हें अमल में लाने की ज़रूरत नहीं पड़ती। प्रभु ने हमें विश्वासयोग्य होने के लिए बुलाया है। वह अपने बच्चों को कभी निराश नहीं करेगा। वह अपनी सेवकाइयों में से किसी भी सेवकाई की उपेक्षा नहीं करेगा। परंतु वह अवश्य ही हमारे गतिविधियों के, हमारे कामों के पीछे के इरादों को देखेगा।

परमेश्वर के प्रिय बच्चों, क्या आप अपने मानसिक रवैये के अनुसार जीवन बिता रहे हैं? चाहे छोटा हो या बड़ा, क्या आप एलिय्याह के समान पवित्र जीवन बिताने और स्वर्ग जाने के इच्छुक हैं जैसा परमेश्वर चाहता है?

या

क्या आप अलीशा के समान है जो तत्परता से प्रार्थना करेंगे और अपने विश्वास में दृढ़ रहेंगे, ताकी आप अपनी बुलाहट में मजबूत हों और दुगनी आशीष प्राप्त करें? क्या एलीशा का अनुसरण करेंगे और अपने दुश्मनों से ज्यादा समझदार और अपने शिक्षकों से अधिक बुद्धिमान और प्राचीनों से अधिक चतुर बनेंगे (भजन ११६:९८-१००)

या

क्या आप गेहजी के समान बनना चाहते हैं जो सेवकाई के नाम में कुछ

एको अहफ हिज कहल एक उल्लेखनीय व्यक्ति और हमारे प्रकाशनों में उनके असाधारण योगदान के लिए सैल्यूट करता है!

हम बड़े दुख के साथ यह घोषणा करते हैं कि एको अहफ हिज कहल अंग्रेजी मासिक पत्रिका के वरिष्ठ सहायक संपादक **भाई मैनुअल एम पौल राज** ने, उम्र ७२ वर्ष, जो पिछले ४३ वर्षों से हमारे साथ से सेवकाई कर रहे थे, २५ मई २०२२ बुधवार शाम ६:०० बजे महिमा में प्रवेश किया। उनके पीछे उनकी पत्नी बेटा बेटी और नाती पोते हैं। कृपया हमारे लिए प्रार्थना कीजिए।

– पास्टर सैम सेल्व राज

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

कर रहे हैं और पैसा कमाने के लिए यहां वहां दौड़ते हैं जिससे आप अपनी सेवकाई खो देंगे और आपके लिए और आपके वंश के लिए शाप कमाएंगे?

आपका निर्णय आपकी इच्छा पर आधारित है। आपका उत्तर क्या है?

****

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- **आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-**

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th JULY, 2022
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers**, New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**